जे.एम कॉलेज भुरकुंडा

SOCLO- ECONOMOIC FIELE SURVEY SUBMITTED FOR THE PRACTICLE FILLMENT OF THE RECUIRENTS FOR THE BACHEL OF ARTS IN GEOGRAPHY
B.A. SEM.- PAPER - III & IV

16/08/23

बी.ए सत्र-2020-23 (कोर-13,14)

पयवेक्षक
डॉ. एस०के० दांगी
भूगोल विभाग अध्यक्ष
जे.एम कॉलेजे भुरकुंडा

द्वारा प्रस्तुत
नाम:- sonali kumari
क्रमांक:- 38
पंजीयन संख्या:-VBU20200025360[illegible]
परीक्षा क्रमांक:-2102410[illegible]

J.M. MAHAVIDYALA BHUKNDA

प्रमाण पत्र

प्रमाणित करती हूँ कि

नाम : सोनाली कुमारी रजपार

पंजीकृत संख्या :

क्रमांक : 21024101896 6

सत्र

भौगोलिक भ्रमण में सम्मिलित तथा हेतु बैरेक मुरकुण्डा सर्वे रिपोर्ट आपकी माईत्याचिता तथा सद्भावपूर्ण वातावरण में भ्रमण किया

मैं सोनाली कुमारी रजपार भविष्य की कामना करती हूँ कि आगे भविष्य के उच्च शिक्षा हेतु तत्पर रहेंगी

डॉ संतोष कुमार यादी
अध्यक्ष भूगोल विभाग

Villege Survey / विषय सूची

1. परिचय ___ पंचायत ___ का परिचय
2. अक्षांश तथा देशान्तर विस्तार ___
3. क्षेत्रफल ___ ___ ___
4. धरातल ___ बनावट ___
5. वनस्पति ___ ___
6. जलवायु ___ नदी, प्रवाह प्रणाली ___
7. जनसंख्या ___ ___ ___
8. ___ ___ ___
   A स्त्री / B पुरुष
9. लिंग अनुपात
10. शिक्षा
11. विद्यालय
12. डाक घर

(13) बाजार

(14) व्यवसाय

(15) मन्दिर मस्जिद धार्मिक स्थल

(16) व्यवसायिक संस्था

(17) यातायात के प्रमुख स्थल

(18) कृषि धन

(19) प्रमुख फसल

(20) निष्कर्ष

मुरुकुण्डा | ग्राम पंचायत परिचय | क्रू बैरेको

पंचायत राज संस्था एक स्थापना किया है। यह स्थानीय स्वशासन की संस्था है जो अपने आप में विधायिका भी है, कार्यपालिका भी काम करता ग्रामीण गांव। ग्राम पंचायत पंचायत राज व्यवस्था को बनाने के लिए ग्राम पंचायत करना आज की स्थिति राज के लिए किया जा रहा है। जहाँ तक योजना बनाने के काम किए

गांव व्यवस्था:

मुरुकुण्डा में ग्राम पंचायत से हो रही सुविधा धीरे हो रही जहा तक लोगो को अपन रही जहाँ तक लोगो भी शिक्षा कि ध्यान दे रही रहे जहा तक लोगो कि सुविधा दे रही है। है।

पंचायत सचिवालय भुरकुंडा
CSC

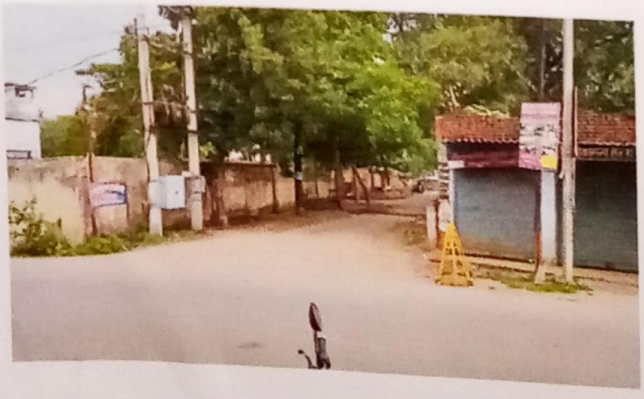

निष्कर्ष

निष्कर्ष नाम का परिणाम होता है।
अपने निष्कर्ष का मतलब है कि
जिस जगह का पेपर मे लिख
रहे है या जो काम
रहे उसके बारे मे बताया जाता
है। अतः आप जिस गाँव
का सर्वेक्षण कर रहे उसके
बारे लिखा जाता है अतः
जहाँ तक लोगो के बारे
या किसी अस्थान को बात
होती है जो किसी गाँव
के बारे में लिखा जाता
है ताकि हालांकि इस का
भी उपयोग किया जा रहा
जैसे क्रिया को आगे बढ़ाया
जाता है, एवं या क्रिया रूप
से काम किया जाता है)
आप उसके बारे मे लिखा
जाता है।

VILLAGE SURVEY

OF VILLAGE PATRATU

B.A. SEM- VI (2020-2023)

DSE PAPER – III & IV

J.M COLLEGE BHURKUNDA

निर्देशक

Prof: Dr S.K Dangi

H.O.D : Geography

ANSHU KUMARI Roll no.- 210241018967

PRIYA KUMARI Roll no . – 210241018955

SONAM KUMARI Roll no.- 210241018962

KHUSHBU KUMARI Roll no.- 210241018964

जे एम कॉलेज भुरकुंडा

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि -

क्र. म.	नाम	क्रमांक	रजि. संख्या
1.	Priya kumari	21024018955	VBU202025329
2.	Khushbu kumari	21024018964	VBU202025290
3.	Sonam kumari	21024018962	VBU202025359
4.	Anshu kumari	21024018967	VBU202025271

सत्र 2020-23 भूगोल **DSE** सेमेस्टर 6 के छात्र /छात्राएँ हैं । इन्होने पतरातू ग्राम का सर्वेक्षण अपने मेहनत एवं स्वाध्याय से मेरे निर्देशन मे तैयार एवं प्रस्तुत किया है।

मैं इनकी सफलता की कामना करता हूँ ।

16/8/23

डॉ. संतोष कुमार दाँगी

भूगोल विभागाध्यक्ष

जे. एम. कॉलेज भुरकुंडा

विषय सूची

1. परिचय → पचायंत का परिचय
2. अक्षांश तथा देशांतरीय तिस्तार
3. क्षेत्रफल
4. धरातलिय बनावट
5. वनस्पति
6. अपवाह तंत्र / प्रवाह प्रणाली
7. जनसंख्या
8. A. स्त्री B. पुरुष
9. लिंग नुपात
10. शिक्षा
11. विद्यालय
12. डाक घर
13. बाजार
14. व्यवसाय
15. मंदिर / मस्जीद / धार्मिक स्थल
16. व्यवसायिक सरचंना
17. यातायात संबंध / यातायात के प्रमुख साधन
18. कृषि
19. प्रमुख फसल
20. निष्कर्ष

निष्कर्ष

अतः मैं उपर्युक्त पंचायत के आर्थिक सामाजिक विषयों का वर्णन कि हूँ। इस परियोजना करते हुए मैं बहुत कुछ अनुभव की हूँ। इसे करते हुए मुझे काफी वास्तविक जानकारी प्राप्त हुई है।
पंचायत हमेशा से स्थानीय स्वशासन का प्रमुख रहा है। ये हमारे जिवन मे महत्वपूर्ण स्थान रखता है। पतरातू पंचायत भी इन्ही कार्यों को करता रहा है। यहाँ का धरातलीय बनावट पठारों की रही हैं। जो यहाँ के सामाजिक तथा आर्थिक गतिविधियो को प्रभावित करती है। यहाँ के लोग व्यवसाय के लिए कोयला क्षेत्र में काम करते है, थर्मल पावर के कारण लोगो को काफी रोजगार मिला है। यहाँ लोग फसलो मे धान का उत्पादन करते हैं।
यहाँ बाजार, बैंकींग सुविधा, विद्यालय ये सभी उपस्थित है। यातायात की सुविधा के लिए रेलवे, बस की सुविधा है। ये हमारे जीवन स्तर को ऊँचा करने के लिए आवश्यक है। इन सब का रख-रखाव में पंचायत अपना सहयोग करता है।

J M COLLEGE, BHURKUNDA

RIVER SIDE , BUDH BAZAR
SOCIO ECONOMIC SURVEY

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

SESSION: 2020-2023

Supervisor

Dr Santosh Kumar Dangi
HOD Geography
J M COLLEGE,BHURKUNDA

SUBMITTED BY

Name: Deepak Kumar
Univ.Roll No-210241018968
Reg.No- VBU2020025279
Class roll-043
Session:2020-2023

CERTIFICATE OF PROJECT COMPLETION

Name : Deepak Kumar Class Roll- 043.

University Roll No- 21024108968 Enrolment No. VBU20200025279

This is to certify that bonafide work of the student under the Department of ......Geography........... *during the academic year 20*..20...- *20*..23... *on the topic of*

Socio - Economic Survey

submitted successfully under the guidance of

Prof./Dr...Santosh Kr. Dungi

Teacher's Signature.

Dungi 16/08/23

Date: 16.08.23

Session : 2020-23

विषय- सूची

- प्रस्तावना
- परिचय
- धरातलीय बनावट
- अपवाह तंत्र
- वनस्पति
- जनसंख्या
  - स्त्री
  - पुरुष
- शिक्षा
- साक्षरता
- कृषि
- सिंचाई
- व्यवसाय
- पशुपालन
- लघु उद्योग
- डाकघर
- विद्यालय
- बाजार
- परिवहन के साधन
- समस्याएँ
- सामाधान
- निष्कर्ष

निष्कर्ष

इस सामाजिक - आर्थिक सर्वेक्षण से हमें यह बात की जानकारी हुई की हमारे पंचायत में किस - किस सुविधाओं की कमी है। कौन - कौन तत्व विद्यमान है। कौन से एवं कितने लोग व्यवसाय, पशुपालन आदि कार्यों में संलग्न है। यह ज्ञानकारी प्राप्त की समाज के में कैसे व्यक्ति उपस्थित है। इस सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के समाज एवं अपने क्षेत्र के प्रति विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्त हुआ एवं विद्यार्थियों ने अपने क्षेत्र का गहनता से समझा एवं जाना। साथ ही साथ सामाजिक - आर्थिक सर्वेक्षण के बारे में जाना और समझा कि भूगोल विषय में ऐसे सर्वेक्षण की कितनी आवश्यकता है एवं सर्वेक्षण कितने महत्वपूर्ण है।

Socio-economic field survey

Socio-economic field survey submitted from the partialfullfillment of the requirements for the bachelor of arts in geography

B.A Sem - 6 (2020-2023)
DSE Paper - 3 & 4

present by :-

Wasim Akram - 210241018970
Rohit Singh - 210241018969
Lakhan Kumar - 210241019036
Nikhil Kumar - 210241019035

H.O.D Geography
Dr. Santosh Kumar Dangi
J.M College Bhurkunda

JM COLLEGE BHURKUNDA

Certificate

Certified that -

Sl. No.	Name	Roll no.	Reg . no.
1	WASIM AKRAM	210241018970	VBU2020025369
2	ROHIT SINGH	210241018969	VBU2020025340
3	LAKAHAN MUNDA	210241019036	VBU2020025307
4	NIKHIL KUMAR	210241019035	VBU2020025317

They are the student of geography of semester VI of session 2020-2023.

They have prepared a socio economic survey report of C.C.L Saunda with their hard work and self study under my direction .

I wish them Bright future.

16/08/23

Dr. Santosh kumar Dangi

HOD Geography

JM College Bhurkunda.

contents

1. प्रस्तावना
2. पंचायत का नाम
3. स्थिति एवं विस्तार
4. अवस्थिति मानचित्र
5. प्रखण्ड का मानचित्र
6. पंचायत का कुल क्षेत्रफल
7. जनसंख्या
8. सामाजिक संरचना
   - क. जाति
   - ख. धर्म
   - ग. श्रम के आधार पर सामाजिक वर्गीकरण
9. सामाजिक स्थिति
   - क. जीवन स्त
   - ख. साक्षरता
   - ग. रहन सहन एवं खान पान
   - घ. सामाजिक समस्याएँ एवं निवारण
10. आर्थिक क्रियाएँ
    - क. कृषि
    - ख. व्यवसाय (पशुपालन, मुर्गीपालन, मत्स्य पालन, डेयरी,कुकुठ पालन
    - ग. मजदूरी (दैनिक/सप्ताहिक मासिक)
11. निष्कर्ष

निष्कर्ष

चिकोर ग्राम के सामाजिक आर्थिक अध्ययन में हमने पाया कि यहाँ के लोग एक सामाजिक व्यवस्था में समन्वय के साथ रहते हैं। यहाँ जातिवाद, संप्रदायवाद और धर्म के प्रति लोग काफी आस्थावान हैं। जातिवाद की जड़े काफी गहरी है, इनको समूह नांश करना अभी शेष हैं।

सामाजिक स्थिति उच्च है यहाँ के लोगोका रहन–सहन एवं खान पान भी अपेक्षा आस–पास के अन्य गाँवों की तुलना में बेहतर हैं।

आर्थिक कियाओं की एक लंबी फेहरिस्त हैं। यहाँ कृषि आय का प्रमुख स्त्रोत हैं।

इसके पश्चात् पशुपालन भी एक महत्वपूर्ण व्यवसाय का रूप ले रहा हैं।

अतः हम कह सकते हैं कि चिकोर ग्राम एक उन्नत गाँव है यहाँ विकास हुआ है, परन्तु अभी भी विकास कार्यो का होना शेष हैं। कृषि में आधुनिक यंत्रों के प्रयोग को बढ़ावा देने और अपनाने की आवश्यकता है। साथ ही साथ समाजिक स्थिति को सुदृढ़ करने हेतु अभी प्रयास जारी रखने होगे।

सामाजिक समस्याएँ

यहाँ कई प्रकार की सामाजिक समस्याएँ भी विद्यमान हैं। कुठाराघात किया गया हैं। परन्तु अब भी इनका समूल नाथ कऱना शेष हैं।

यहाँ निम्नलिखित सामाजिक समस्याएँ हैं–

1. अंधविश्वासः–

   अंधविश्वास यथा डायन बिसही को अब भी लोग मानते हैं।

2. रूढ़ीवादित :–

   लोग काफी पारपरिक है आस्था के चोले में रूढीवादी मानसिकता को प्रश्रय देत रहे हैं यथा अंतजातिय विवाह की मनाही आदि।

3. नशीले पदार्थों का सेवनः–

   कुछ वर्ग के ऐसे लोग है, जो मदिरा पान करते है जिसमें पौराणिक तरीके से महुवा–दारू, मड़िया, हड़िया, तारी एवं बीड़ी,तंबाकु, सिगरेट, हुक्का आदि का सेवन करते हैं।

4. स्वच्छता के प्रति पूर्ण जागरूकता अभी बाकी हैं।
5. एकल परिवार का बढ़ता प्रचलन
6. स्त्रीयों पर कई प्रकार की पाबंदियाँ
7. लड़कियों की शिक्षा अनुपान पुरूषों की तुलना में काफी कम होना।
8. जातिवाद
9. अश्पृश्यता (छुआ छात)

बाल श्रम समस्याएं के संदर्भ में

बाल श्रम

श्रम एवं समाज कल्याण अध्ययन

स्नातक श्रम एवं समाज कल्याण विभाग

जे. एम. कॉलेज भुरकुण्डा, रामगढ़

(विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग)

सत्र - 2020-23

❖ निर्देशक ❖

डॉ० शिव शंकर सिंह (व्याख्याता)

श्रम एवं समाज कल्याण विभाग

जे.एम. कॉलेज, भुरकुण्डा,

रामगढ़ (झारखण्ड)

❖ शोधकर्त्ता ❖

नाम Saurabh Singh

रौल नं० 210241019311

पंजीयन संख्या VBU2020025686

सत्र - 20-23

जे.एम. कॉलेज, भुरकुण्डा, रामगढ़

CERTIFICATE OF PROJECT COMPLETION

Name : SAURABH SINGH Class Roll- 242 .

University Roll No- 21024161931) Enrolment No. VBU2020025686 .

This is to certify that bonafide work of the student under the

Department of L.S.W *during the academic*

*year 20*20*- 20*23 *on the topic of*

पतरातु प्रखण्ड के अन्तर्गत बाल श्रम समस्याएँ के संदर्भ में

submitted successfully under the guidance of

Prof./Dr. SHEOSHANKAR SINGH

Date: 24/08/23

Teacher's Signature.

Shea

Session : 2020-23

अध्ययन –सूची

1) अध्ययन – 1 – भूमिका (परिचय)

2) अध्ययन– 2 – अध्ययन क्षेत्र

3) अध्ययन– 3 – अध्ययन का उद्देश्य

4) अध्ययन– 4 – अध्ययन पद्धतियाँ

5) अध्ययन– 5 – उत्तरदाताओ का व्यातिगत परिचय

6) अध्ययन 6 – निष्कर्ष

7) अध्ययन 7 – परिशिष्ट–संदर्भग्रंथो की सूची

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध कार्य का विषय "जनजाति धर्म आधुनिकीकरण का प्रभाव" था । अपने शोध कार्य के पूर्ति हेतु मने शिक्षित जनजातियों के बीच सर्वेक्षण किया। आपने सर्वेक्षन के दौरान मैने पाया कि उनमें परम्परागत सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं धार्मिक जीवन में परिवर्तन आया हैं । आज के पहले की भांति प्रथम संस्कृति का प्रतीक न ही राष्ट्र की सभ्यता एवं जीवन की मुख्य धारा से जुड रहे हैं तथा एक पूण समाज का अंग बन रहे है। वैसे आधुनिकीकरण ने इनके परम्परागत जीवन को अस्त – व्यस्त किया है फिर भी वे नवीन पर्यावरण से अपना सामंजस्य स्थापित करने के लिए संघर्षरत हैं ।

कुछ समय पहले तक विभिन्न समाजशास्त्रीया के अनुसार जनजातियों का समाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक जीवन काफी अव्यवस्थित था। लेकिन परम्परावादी होने के बावजूद आधुनिकीकरण के प्रभाव से इनके जीवन के हर पक्ष मे परिवर्तन होने लगा है, विशेषकर धार्मिक पतन हुआ है। धर्म का प्रयोग ये लोग अपने विभिन्न समस्या का समाधान के लिए करते थे तथा विपत्तिया से मुक्ति पाते थे लेकिन आज इनकी स्वरूप म बदलाव आयी है। सामाजिक विघटन हो रहा है। हालांकि सभ्य समाजो के सम्पर्क से इनके रहन –सहन का स्तर उँचा उठा है । नगरीकरन और औधोगीकरन की ओर बढ रहे हैं। पहले इनकी आर्थिक स्थिति काफी निम्न थी लेकिन आज आधुनिक शिक्षा का प्रचार–पसार होने से अच्छी कमाई कर लेते है। आधुनिकीकरण से राजनीतिक चेतना भी आई हैं, जिसके कारण शोषण के खिलाफ आवाज उठ रही है। आधुनिकीकरण के प्रभाव से परम्परागत धर्म को वे आज ऊँची शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न ऊच्च पदो पर कार्यरत है। आधुनिकीकरण से प्रभावित विचारधारा आदिवासी को अपनी स्थायी आवास को छोड़कर औद्योगिक केन्द्रों की ओर प्रस्थान कर रहे हैं और वहीं बस जाते हैं। अर्थात परम्परागत धर्म को त्यागकर मनोरंजन की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

अतः जनजातियों के विभिन्न जानकारियों से स्पष्ट होता ह कि सभ्य समाज की सर्म्पक के कारण उनमें गतिशीलता बढ़ रही हैं और जिससे उनकी सामाजिक, आर्थिक तथा धार्मिक जीवन प्रभावित होता है।

इस प्रकार जनजातिय धर्म पर आधुनिकीकरण का प्रभाव है।

सन्दर्भ ग्रंथों की सूची

1. बिहार के आदिवासी – एल.पी. विद्यार्थी
2. सामाजिक मानवशास्त्र – शर्मा एण्ड गुप्ता
3. बिहार की जनजातियाँ – कुँवर सिंह तिलारा
4. बिहार की आदिवासी – जेड. अहमद
5. सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण – आर. एन. मुखर्जी
6. दैनिक पत्रिका हिन्दुस्तान टाइम्स
7. प्रतियोगिता दर्पण पत्रिका

बाल श्रम समस्याऐं के संदर्भ में

बाल श्रम

श्रम एवं समाज कल्याण अध्ययन

स्नातक श्रम एवं समाज कल्याण विभाग

जे. एम. कॉलेज भुरकुण्डा, रामगढ़

(विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग)

सत्र - 2020 - 23

❖ निर्देशक ❖

डॉ० शिव शंकर सिंह (व्याख्याता)

श्रम एवं समाज कल्याण विभाग

जे.एम. कॉलेज, भुरकुण्डा,

रामगढ़ (झारखण्ड)

❖ शोधकर्त्ता ❖

नाम GOLAM KADIR

रौल नं० 21024101312

पंजीयन संख्या VBU2020025664

सत्र - 2020 - 23

जे.एम. कॉलेज, भुरकुण्डा, रामगढ़

CERTIFICATE OF PROJECT COMPLETION

Name : GULAM KADIR Class Roll- 302.

University Roll No- 21024101 9312 Enrolment No. VBU2020025664.

This is to certify that bonafide work of the student under the

Department of L.S.W *during the academic*

*year 20*20*- 20*23 *on the topic of*

पतरातु प्रखण्ड के अन्तर्गत बाल श्रम समस्याएँ के संदर्भ मे

submitted successfully under the guidance of

Prof./Dr. SHEOSHANKAR SINGH

Date: 24-8-23

Teacher's Signature.

[signature]

Session : 2020-23

अध्ययन –सूची

1) अध्ययन – 1 – भूमिका (परिचय)

2) अध्ययन– 2 – अध्ययन क्षेत्र

3) अध्ययन– 3 – अध्ययन का उद्देश्य

4) अध्ययन– 4 – अध्ययन पद्धतियाँ

5) अध्ययन– 5 – उत्तरदाताओं का व्यातिगत परिचय

6) अध्ययन 6 – निष्कर्ष

7) अध्ययन 7 – परिशिष्ट–संदर्भग्रंथो की सूची

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध कार्य का विषय "जनजाति धर्म आधुनिकीकरण का प्रभाव" था । अपने शोध कार्य के पूर्ति हेतु मनें शिक्षित जनजातियों के बीच सर्वेक्षण किया। आपने सर्वेक्षन के दौरान मैने पाया कि उनमें परम्परागत सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं धार्मिक जीवन में परिवर्तन आया हैं । आज के पहले की भांति प्रथम संस्कृति का प्रतीक न ही राष्ट्र की सभ्यता एवं जीवन की मुख्य धारा से जुड रहे हैं तथा एक पूण समाज का अंग बन रहे है। वैसे आधुनिकीकरण ने इनके परम्परागत जीवन को अस्त – व्यस्त किया है फिर भी वे नवीन पर्यावरण से अपना सामंजस्य स्थापित करने के लिए संघर्षरत हैं ।

कुछ समय पहले तक विभिन्न समाजशास्त्रीया के अनुसार जनजातियों का समाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक जीवन काफी अव्यवस्थित था। लेकिन परम्परावादी होने के बावजूद आधुनिकीकरण के प्रभाव से इनके जीवन के हर पक्ष मे परिवर्तन होने लगा है, विशेषकर धार्मिक पतन हुआ है। धर्म का प्रयोग ये लोग अपने विभिन्न समस्या का समाधान के लिए करते थे तथा विपत्तिया से मुक्ति पाते थे लेकिन आज इनकी स्वरूप म बदलाव आयी है। सामाजिक विघटन हो रहा है। हालांकि सभ्य समाजो के सम्पर्क से इनके रहन –सहन का स्तर उँचा उठा है । नगरीकरन और औधोगीकरन की ओर बढ रहे हैं। पहले इनकी आर्थिक स्थिति काफी निम्न थी लेकिन आज आधुनिक शिक्षा का प्रचार–पसार होने से अच्छी कमाई कर लेते है। आधुनिकीकरण से राजनीतिक चेतना भी आई हैं, जिसके कारण शोषण के खिलाफ आवाज उठ रही है। आधुनिकीकरण के प्रभाव से परम्परागत धर्म को वे आज ऊँची शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न ऊच्च पदो पर कार्यरत है। आधुनिकीकरण से प्रभावित विचारधारा आदिवासी को अपनी स्थायी आवास को छोड़कर औद्योगिक केन्द्रों की ओर प्रस्थान कर रहे हैं और वहीं बस जाते हैं। अर्थात परम्परागत धर्म को त्यागकर मनोरंजन की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

अतः जनजातियों के विभिन्न जानकारियों से स्पष्ट होता ह कि सभ्य समाज की सर्म्पक के कारण उनमें गतिशीलता बढ़ रही हैं और जिससे उनकी सामाजिक, आर्थिक तथा धार्मिक जीवन प्रभावित होता है।

इस प्रकार जनजातिय धर्म पर आधुनिकीकरण का प्रभाव है।

सन्दर्भ ग्रंथों की सूची

1. बिहार के आदिवासी – एल.पी. विद्यार्थी
2. सामाजिक मानवशास्त्र – शर्मा एण्ड गुप्ता
3. बिहार की जनजातियाँ – कुँवर सिंह तिलारा
4. बिहार की आदिवासी – जेड. अहमद
5. सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण – आर. एन. मुखर्जी
6. दैनिक पत्रिका हिन्दुस्तान टाइम्स
7. प्रतियोगिता दर्पण पत्रिका

बाल श्रम समस्याऐं के संदर्भ में

बाल श्रम

श्रम एवं समाज कल्याण अध्ययन

स्नातक श्रम एवं समाज कल्याण विभाग

जे. एम. कॉलेज भुरकुण्डा, रामगढ़

(विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग)

सत्र - 2020-2023

❖ निर्देशक ❖

डॉ० शिव शंकर सिंह (व्याख्याता)

श्रम एवं समाज कल्याण विभाग

जे.एम. कॉलेज, भुरकुण्डा,

रामगढ़ (झारखण्ड)

❖ शोधकर्त्ता ❖

नाम Rohit Kumar

रौल नं० 210251019313

पंजीयन संख्या VBU 2020025689

सत्र - 2020-2023

जे.एम. कॉलेज, भुरकुण्डा, रामगढ़

CERTIFICATE OF PROJECT COMPLETION

Name : Rohit Kumar   Class Roll- 318

University Roll No- 2102410119313 Enrolment No VBU-2020025689

This is to certify that bonafide work of the student under the Department of L.S.W *during the academic year 20*20*- 20*23 *on the topic of*

पतरातु प्रखण्ड के अंतर्गत ग्रामीण समस्याऐ के सदर्भ में। -

submitted successfully under the guidance of

Prof./Dr. SHEOSHANKAR SINGH

Teacher's Signature.   **Date:** 24/08/2023

Shee

Session : 2020-23

अध्ययन –सूची

1) अध्ययन – 1 – भूमिका (परिचय)
2) अध्ययन– 2 – अध्ययन क्षेत्र
3) अध्ययन– 3 – अध्ययन का उद्वेश्य
4) अध्ययन– 4 – अध्ययन पद्धतियाँ
5) अध्ययन– 5 – उत्तरदाताओ का व्यातिगत परिचय
6) अध्ययन 6 – निष्कर्ष
7) अध्ययन 7 – परिशिष्ट–संदर्भग्रंथो की सूची

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध कार्य का विषय "जनजाति धर्म आधुनिकीकरण का प्रभाव" था । अपने शोध कार्य के पूर्ति हेतु मने शिक्षित जनजातियों के बीच सर्वेक्षण किया। आपने सर्वेक्षन के दौरान मैने पाया कि उनमें परम्परागत सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं धार्मिक जीवन में परिवर्तन आया हैं । आज के पहले की भांति प्रथम संस्कृति का प्रतीक न ही राष्ट्र की सभ्यता एवं जीवन की मुख्य धारा से जुड रहे हैं तथा एक पूण समाज का अंग बन रहे है। वैसे आधुनिकीकरण ने इनके परम्परागत जीवन को अस्त – व्यस्त किया है फिर भी वे नवीन पर्यावरण से अपना सामंजस्य स्थापित करने के लिए संघर्षरत हैं ।

कुछ समय पहले तक विभिन्न समाजशास्त्रीया के अनुसार जनजातियों का समाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक जीवन काफी अव्यवस्थित था। लेकिन परम्परावादी होने के बावजूद आधुनिकीकरण के प्रभाव से इनके जीवन के हर पक्ष मे परिवर्तन होने लगा है, विशेषकर धार्मिक पतन हुआ है। धर्म का प्रयोग ये लोग अपने विभिन्न समस्या का समाधान के लिए करते थे तथा विपत्तिया से मुक्ति पाते थे लेकिन आज इनकी स्वरूप म बदलाव आयी है। सामाजिक विघटन हो रहा है। हालांकि सभ्य समाजो के सम्पर्क से इनके रहन –सहन का स्तर उँचा उठा है । नगरीकरन और औधोगीकरन की ओर बढ रहे हैं। पहले इनकी आर्थिक स्थिति काफी निम्न थी लेकिन आज आधुनिक शिक्षा का प्रचार–पसार होने से अच्छी कमाई कर लेते है। आधुनिकीकरण से राजनीतिक चेतना भी आई हैं, जिसके कारण शोषण के खिलाफ आवाज उठ रही है। आधुनिकीकरण के प्रभाव से परम्परागत धर्म को वे आज ऊँची शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न ऊच्च पदो पर कार्यरत है। आधुनिकीकरण से प्रभावित विचारधारा आदिवासी को अपनी स्थायी आवास को छोड़कर औद्योगिक केन्द्रों की ओर प्रस्थान कर रहे हैं और वहीं बस जाते हैं। अर्थात परम्परागत धर्म को त्यागकर मनोरंजन की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

अतः जनजातियों के विभिन्न जानकारियों से स्पष्ट होता ह कि सभ्य समाज की सर्म्पक के कारण उनमें गतिशीलता बढ़ रही हैं और जिससे उनकी सामाजिक, आर्थिक तथा धार्मिक जीवन प्रभावित होता है।

इस प्रकार जनजातिय धर्म पर आधुनिकीकरण का प्रभाव है।

सन्दर्भ ग्रंथों की सूची

1. बिहार के आदिवासी – एल.पी. विद्यार्थी
2. सामाजिक मानवशास्त्र – शर्मा एण्ड गुप्ता
3. बिहार की जनजातियाँ – कुँवर सिंह तिलारा
4. बिहार की आदिवासी – जेड. अहमद
5. सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण – आर. एन. मुखर्जी
6. दैनिक पत्रिका हिन्दुस्तान टाइम्स
7. प्रतियोगिता दर्पण पत्रिका

बाल श्रम समस्याएं के संदर्भ में

बाल श्रम

श्रम एवं समाज कल्याण अध्ययन

स्नातक श्रम एवं समाज कल्याण विभाग

जे. एम. कॉलेज भुरकुण्डा, रामगढ़

(विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग)

सत्र - 2020 - 2023

❖ निर्देशक ❖

डॉ० शिव शंकर सिंह (व्याख्याता)

श्रम एवं समाज कल्याण विभाग

जे.एम. कॉलेज, भुरकुण्डा,

रामगढ़ (झारखण्ड)

❖ शोधकर्त्ता ❖

नाम Md Tanweer Ansari

रौल नं० 21024101931

पंजीयन संख्या VBU2020025681

सत्र - 2020 - 23

जे.एम. कॉलेज, भुरकुण्डा, रामगढ़

CERTIFICATE OF PROJECT COMPLETION

Name : Md [illegible] Ansari Class Roll- 390.

University Roll No- [illegible] Enrolment No [illegible]

This is to certify that bonafide work of the student under the

Department of L.S.W. *during the academic*

year 2022 - 2023 on the topic of

[illegible] प्रबन्ध के अंतर्गत बाल श्रम समस्याएं के संदर्भ में

submitted successfully under the guidance of

Prof./Dr. SHEOSHANKAR SINGH

Teacher's Signature. **Date:** 24-8-23

[signature]

Session : 2020-23

अध्ययन –सूची

1) अध्ययन – 1 – भूमिका (परिचय)

2) अध्ययन– 2 – अध्ययन क्षेत्र

3) अध्ययन– 3 – अध्ययन का उद्वेश्य

4) अध्ययन– 4 – अध्ययन पद्धतियाँ

5) अध्ययन– 5 – उत्तरदाताओ का व्यातिगत परिचय

6) अध्ययन 6 – निष्कर्ष

7) अध्ययन 7 – परिशिष्ट–संदर्भग्रंथो की सूची

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध कार्य का विषय "जनजाति धर्म आधुनिकीकरण का प्रभाव" था । अपने शोध कार्य के पूर्ति हेतु मने शिक्षित जनजातियों के बीच सर्वेक्षण किया। आपने सर्वेक्षन के दौरान मैने पाया कि उनमें परम्परागत सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं धार्मिक जीवन में परिवर्तन आया हैं । आज के पहले की भांति प्रथम संस्कृति का प्रतीक न ही राष्ट्र की सभ्यता एवं जीवन की मुख्य धारा से जुड रहे हैं तथा एक पूण समाज का अंग बन रहे है। वैसे आधुनिकीकरण ने इनके परम्परागत जीवन को अस्त – व्यस्त किया है फिर भी वे नवीन पर्यावरण से अपना सामंजस्य स्थापित करने के लिए संघर्षरत हैं ।

कुछ समय पहले तक विभिन्न समाजशास्त्रीया के अनुसार जनजातियों का समाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक जीवन काफी अव्यवस्थित था। लेकिन परम्परावादी होने के बावजूद आधुनिकीकरण के प्रभाव से इनके जीवन के हर पक्ष मे परिवर्तन होने लगा है, विशेषकर धार्मिक पतन हुआ है। धर्म का प्रयोग ये लोग अपने विभिन्न समस्या का समाधान के लिए करते थे तथा विपत्तिया से मुक्ति पाते थे लेकिन आज इनकी स्वरूप म बदलाव आयी है। सामाजिक विघटन हो रहा है। हालांकि सभ्य समाजो के सम्पर्क से इनके रहन –सहन का स्तर उँचा उठा है । नगरीकरन और औधोगीकरन की ओर बढ रहे हैं। पहले इनकी आर्थिक स्थिति काफी निम्न थी लेकिन आज आधुनिक शिक्षा का प्रचार–पसार होने से अच्छी कमाई कर लेते है। आधुनिकीकरण से राजनीतिक चेतना भी आई हैं, जिसके कारण शोषण के खिलाफ आवाज उठ रही है। आधुनिकीकरण के प्रभाव से परम्परागत धर्म को वे आज ऊँची शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न ऊच्च पदो पर कार्यरत है। आधुनिकीकरण से प्रभावित विचारधारा आदिवासी को अपनी स्थायी आवास को छोड़कर औद्योगिक केन्द्रों की ओर प्रस्थान कर रहे हैं और वहीं बस जाते हैं। अर्थात परम्परागत धर्म को त्यागकर मनोरंजन की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

अतः जनजातियों के विभिन्न जानकारियों से स्पष्ट होता ह कि सभ्य समाज की सर्म्पक के कारण उनमें गतिशीलता बढ़ रही हैं और जिससे उनकी सामाजिक, आर्थिक तथा धार्मिक जीवन प्रभावित होता है।

इस प्रकार जनजातिय धर्म पर आधुनिकीकरण का प्रभाव है।

सन्दर्भ ग्रंथों की सूची

1. बिहार के आदिवासी – एल.पी. विद्यार्थी
2. सामाजिक मानवशास्त्र – शर्मा एण्ड गुप्ता
3. बिहार की जनजातियाँ – कुँवर सिंह तिलारा
4. बिहार की आदिवासी – जेड. अहमद
5. सामाजिक शोध एवं सर्वेक्षण – आर. एन. मुखर्जी
6. दैनिक पत्रिका हिन्दुस्तान टाइम्स
7. प्रतियोगिता दर्पण पत्रिका

J M COLLEGE BHURKUNDA

RAMGARH JHARKHAND

SESSION – 2020-2023

PROJECT WORK

ON

PRADHAN MANTRI MUDRA YOJANA (PMMY)

GUIDED BY :-

Prof. Anuj Kumar Singh

PREPARED BY :-

NAME : - Naresh Kumar

CLASS :- B.com(H)

UNI.ROLL : 210242019551

REG. NO :- VBU2020025054

TEACHER SIGNATURE

Anuj Kumar Singh
Asst. Professor
H.O.D. Commerce
J. M. College, Bhurkunda

CERTIFICATE OF PROJECT COMPLETION

Name : Nayesh Kumar   Class Roll- 85.

University Roll No-21024201955 Enrolment No VBU2020025054

This is to certify that bonafide work of the student under the Department of Commerce *during the academic year 20*20*- 20*23 *on the topic of*

Pradhan Mantri Mudra Yojana (PMMY)

submitted successfully under the guidance of

Prof./Dr. Anuj Kumar Singh

Teacher's Signature.

Anuj Kumar Singh
Asst. Professor
H.O.D. Commerce
J. M. College, Bhurkunda

Date: 06-06-2023

Session : 2020 - 2023

INDEX

S.No	Particular	Page No
1.	Abstract	1 to 2
2.	Introduction	2
3.	Review of Literature	3
4.	Pradhan Mantri Mudra Yojana	4
5.	Beneficies of scheme	4
6.	Mudra Bank	5
7.	Progress of Mudra Bank Yojana	5
8.	PMMY Progress	6
9.	Showing Progress Performance of the Mudra scheme statewise	7
10.	Chart 1	8
11.	Swot Analysis strength	9
12.	Weakness	10
13.	OPPortunities	10
14.	References	11
15.	Threats	11
16.	Recommendation	11
17.	Conclusion	12

A DESCRIPTIVE STUDY ON PRADHAN MANTHRI MUDRA YOJANA (PMMY)

ABSTRACT

In India most of the people are depending upon small scale businesses as their source of livelihood. Most of the individuals depend on unorganised sectors of loans and other credit facilities which have high rate of interest along with unbearable terms and conditions. Ultimately it will lead these poor people to fall in debts. A vast part of the non-corporate sector operates as unregistered enterprises. They do not maintain proper Books of Accounts and are not formally covered under taxation areas. Therefore, the banks find it difficult to lend to them. Majority of this sector does not access outside sources of finance. After identifying the importance of self-employment people and small business units, government of India launched the Mudra Bank scheme under PMMY to provide financial assistance to MSMEs who

MUDRA cards can be used more intensively in the future.

Women intrepreneurs should be more encouragable to wipe out the difficulties faced by them.

CONCLUSION

Growth of MSMEs will contribute to the development of 'Make in India' initiative. Launching bank like MUDRA will hugely benefit to small manufacturing units and self-employed individuals in rural and urban areas. PMMY scheme will contribute to the well-being of the individuals engaged in small scale industries which will positively affect the progress of the economy as a whole. MUDRA creates a vision of formalizing the informal and thereby funding the unfunded. Its role as an apex refinancer, providing low-cost finance is likely to be its USP, thereby hoping to fill a yawning gap in India's microfinance space. These measures will greatly increase the confidence of our young educated and skilled workers who are able to become the first generation enterprises and existing small business will be able to expand their activities.

J M COLLEGE BHURKUNDA

RAMGARH JHARKHAND

SESSION – 2020-2023

PROJECT WORK

ON

PRADHAN MANTRI MUDRA YOJANA (PMMY)

GUIDED BY :-
Anuj Sir

PREPARED BY :-

NAME : - Asha Kumari
CLASS :- B.Com (H)
UNI.ROLL : 21024201 9555
REG. NO :- Vb4 20200 25026

TEACHER SIGNATURE

Anuj Kumar Singh
Asst. Professor
H.O.D. Commerce
J. M. College, Bhurkunda

CERTIFICATE OF PROJECT COMPLETION

Name : Asha Kumari   Class Roll- 92

University Roll No- 2102420195555 Enrolment No. VB4 2020 25026

This is to certify that bonafide work of the student under the Department of Commerce *during the academic year 20*20 *- 20*23 *on the topic of*

Pradhan Mantri Mudra Yojana

submitted successfully under the guidance of

Prof./Dr. Anuj Kumar Singh

Teacher's Signature.

Date: 06-06-2023

Anuj Kumar Singh
Asst. Professor
H.O.D. Commerce
J. M. College, Bhurkunda

Session : 2020-2023

INDEX

S.No	Particular	Page No
01	Abstract	01
02	key Words	01
03	Introduction	02
04	Review of Literature	03 & 04
05	The Study	04 & 05
06	Objective Of the Study	05 & 06
07	features	06
08	Beneficiaries of Scheme	06 & 07
09	Mudra Bank	07 & 08
10	Major product offering Mudra	08
11	Mudra:- Role And Responsibility	08
12	Financial Inclusion And PMMY	09 & 10
13	Data Analysis progress made under PMMY	10 & 11
14	Progress Table	11
15	StateWise Performance	11 & 13
16	Caste Performance	13 & 14
17	Category Wise Performance	14 & 15
18	Swot Analysis Strengths	15 & 16
19	Weakness, Opportunities, Recommendation	16
20	Threats, Conclusion	17
21	References	18

Date ___ / ___ / ______

1

A DESCRIPTIVE STUDY ON PRADHAN MANTHRI MUDRA YOJANA (PMMY)

ABSTRACT

financial Inclusion is one of the most treasured strategies in India. our monetary arrangement has dependably been driven by a basic plan of a practical and comprehensive development. The primary point behind the monetary consideration is to cover the all segment of population under monetary administrations. government of India (GOI) has introduced some of the major steps to "fund the unfunded" micro enterprises segment. one of the initiatives takes by Government of India (GOI) is pradhan Mantri mudra yojana (PMMY) which plays an important role in achieving the success of financial Inclusion. The idea behind the scheme is to provide the credit requirement to small business up to 10 lakh. This research paper includes the overview of PMMY. performance analysis of the scheme based on state, caste and catagary. SWOT analysis of the scheme and some recommendations.

Key words:→ financial Inclusion, Mudra, Micro credit.

- MUDRA Card can be used more intensively in future.
- Women entrepreneurs should be more encouraged to wipe out the difficulties faced by them.

THREATS

- There is a better Solution to finance micro and small businesses.
- There are number of already existing refinancing agencies.
- There can be Confusion due variable interest rate

CONCLUSION

The Study Concluded that PMMY is a great initiative taken by the GOI. Due to it, there is a big change in the area of micro finance. The Scheme will help the weaker Section, low income group and unfunded population and also will increase the Competition. Financial inclusion through PMMY Increases the opportunities for Credit requirement and refinance.

The introduction of the national plan PMMY with other type of financial inclusion initiative. yield a valuable result. The PMMY Conspire is Certain to take our Country forward to the future. MFIs Contributed Significantly for the financing women under PMMY. It perceives that because of dispatch of this plan, monetary Consideration has expanded positive heading. So it can be Say that if it

J M COLLEGE BHURKUNDA

RAMGARH JHARKHAND

SESSION – 2020-2023

PROJECT WORK

ON

PRADHAN MANTRI MUDRA YOJANA (PMMY)

GUIDED BY :-

Anuj Sir

PREPARED BY :-

NAME :- Karan Kumar jaiswal

CLASS :- B.Com (H)

UNI.ROLL : 2102112019554

REG. NO :- VBU 20200 25034

TEACHER SIGNATURE

Anuj Kumar Singh
Asst. Professor
H.O.D. Commerce
J. M. College, Bhurkunda

CERTIFICATE OF PROJECT COMPLETION

Name : Karan Kumar jaiswal Class Roll- 90.

University Roll No- 21024201955 4Enrolment No. VBu 20200 25034

This is to certify that bonafide work of the student under the Department of Commerce *during the academic year 20*20*- 20*23 *on the topic of*

Pradhan Mantri Mudra Yojana ([illegible])

submitted successfully under the guidance of

Prof./Dr. Anuj Kumar Singh.

Teacher's Signature.

Anuj Kumar Singh
Asst. Professor
H. O. D. Commerce
J. M. College, Bhurkunda

Date: 06/06/23

Session : 2020 - 23

CONTENTS

SL NO		Page NO
1.	ABSTAACT	1
2.	Introduction	2,3,4
3.	Review of Literature	4
4.	The Study	5
5.	Objective of Study	6
6.	Pradhan Mudra Yojan.	6
7	Beneficiaries of Scheme	7
8	Mudra Bank	7, 8
9	Major Product	8
10	Role and Responsiblity	9
11	Financial and PMMY	9,10,11
12	DTAA Analysis	11
13	Table . PMMY Pragress	12,13,14
14	Cash Uised Perforance	15, 16,17,
15	Swat Analyis	19
16	Wekness	20
17	Oppartunitis	20
18	Threats	21
19	Recommendation	21
20	Conclusion	22

ABSTRACT

Financial Inclusion is one of the most treasured strategies in India. Our monetary arrangement has dependably been driven by a basic plan of a practical and comprehensive development. The primary point behind the monetary consideration to the all segment of population under monetary administrations Government of India (GOI) has introduced some of the major steps to "Fund the unfunded" micro enterprises segment. One of the initatives taken by Government of India (GOI) in Pradhan Mantri Mudra Yojana (PMMY) which Plays an important role in achieving the Success of financial inclation. The idea behind the scheme is to provide the credit requirement to small business up to 10 lakh. The research paper includes the Overview of PMMY, performance analysis of the scheme based on state, caste and category. SWOT analysis of the scheme and some recommendations.

Keywords: Financial inclusion, Mudra, Micro Credit.

Signature.....

CONCLUSION

The study concluded that PMMY is a great initiative taken by the GOI. Due to it there is a big change in the area of micro finance. The scheme will help the weaker section, low income group and unfunded population and also will increase the competition. Financial inclusion through PMMY increase the opportunities for credit requirement and refursed

The introduction of the national plan PMMY with other type of financial inclusion yield a valuable result. The PMMY conspire is certain take our Country forward to the future. MFIs contributed significantly for the financing world under PMMY.

It is because of dispatch of this plan, monetary consideration has expanded towards the positive. So it can be say that if it implemented properly, it may work as a game changing financial inclusion initiative of Government of India and may boast the Indian economy.

J M COLLEGE BHURKUNDA

RAMGARH JHARKHAND

SESSION – 2020-2023

PROJECT WORK

ON

PRADHAN MANTRI MUDRA YOJANA (PMMY)

GUIDED BY :-

Anuj sir

PREPARED BY :-

NAME :- Payal kumari Panday

CLASS :- B.com (H)

UNI.ROLL : 21024201956

REG. NO :- VBU2020025065

TEACHER SIGNATURE

Anuj Kumar Singh
Asst. Professor
H.O.D. Commerce
J. M. College, Bhurkunda

CERTIFICATE OF PROJECT COMPLETION

Name : Payal kumari panday   Class Roll- 93

University Roll No- 210242019556 Enrolment No. VBU2020025065

This is to certify that bonafide work of the student under the Department of Commerce *during the academic year 20*20*- 20*23 *on the topic of*

Pradhan Mantri Mudra yojana

submitted successfully under the guidance of

Prof./Dr. Anuj kumar singh

Teacher's Signature.

Anuj Kumar Singh
Assistant Professor
Dept. of Commerce
J. M. College, Bhurkunda

Date: 06.06.23

Session : 2020 - 23

PAGE No.:
DATE : / /

Contents

Sl. No.	TOPIC	Page NO.
1.	Introduction	01
2.	The Study and Objective of Study	02 & 03
3.	Features OF PMMY	03 & 04
4.	Beneficiaries Scheme	04 & 05
5.	MUDRA BANK and Role and Responsibilities.	05 and 06
6.	Data.	
	(i) PMMY Progress.	09 & 10
	(ii) Statewise Progress	10
	(iii) Actual and Target Disbursement.	11 & 12
7.	Analysis Strength	13
8.	Weakness	14
9.	opportunities	14 & 15
10.	Threats	16
11.	Recommandations	16 & 17
12.	Conclusion	18
13.	References.	19

PAGE No.: 01
DATE : / /

A DESCRIPTIVE STUDY ON PRADHAN MANTRI MUDRA YOJANA (PMMY)

Abstract

Financial Inclusion is one of the most treasured Strategies in India. Our monetary arrangement has dependably been driven by a basic plan of a practical and comprehensive development.

Introduction

Finance is one of the most important things to fight poverty and provide opportunities. financial inclusion is one of the most treasured stategies in india. The concept of financial inclusion was first introduced by the Governor of RBI. Shri Y.V Reddy in 2005.

financial Inclusion means process of ensuring access to appropriate financial service to all the sections of society such as low income groups and weaker sections at an affordable rate.

This income and scheme is available from all bank branches across the country. PMMY was introduced by the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi on 8th April, 2015.

PAGE NO. 16
DATE : / /

Conclusion

The study concluded that PMMY is a great initiative taken by the GOI. Due to it, there is a big change in the area of micro finance. The scheme will help the weaker section, low income group and unfunded population and also increases the competition.

financial inclusion initiative PMMY increases the opportunities for credit requirements and refinance. it may work as a game changing financial inclusion initiative of government of india and may boost the Indian economy.

The PMMY conspire is certain to take our country forward to the future. MFIs contributed significantly for the financing women under PMMY.